राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय),

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के आधीन)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी नई दिल्ली-110058

(पालि-प्राकृत योजना)

पत्रांक- रा.सं.सं./पालि-प्राकृत/मुद्रण/05/2018 **दिनांक 10.04.2018**

निविदा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (भारत सरकार), नई दिल्लो के अन्तर्गत कार्यरत संस्था है। संस्थान द्वारा पालि-प्राकृत योजना के अन्तर्गत प्राकृत की आठ पुस्तकों का मुद्रण करवाना है। मुद्रण (उत्तम क्वालिटी) कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें निम्नवत् हैं-

1) इच्छुक मुद्रक/ प्रकाशक को देवनागरी लिपि में 5 वर्षों का न्यूनतम पुस्तक मुद्रण का अनुभव होना चाहिये। मुद्रक/प्रकाशक प्रमाणित दस्तावेज़ के साथ निर्धारित रूप में मुहरबंद निविदा, परियोजना अधिकारी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, 56-57, इन्स्टीट्शनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 के नाम विज्ञापन प्रकाशित तिथि से दस दिन के अन्दर कार्यालय समय तक स्पीड पोस्ट/ व्यक्तिगत रूप से भेज सकते हैं।
2) ग्रन्थों के मुद्रण हेतु Soft copy कार्यालय समय में (शनिवार, रविवार एवं अवकाश दिनों को छोड़कर) संस्थान के पालि-प्राकृत योजना विभाग में देखा जा सकता है।
3) कवर डिजाइन प्रकाशक द्वारा पालि-प्राकृत योजना अधिकारी की सहमति के अनुसार ही निर्धारित किया जायेगा।
4) कागज 80 जी.एस.एम. (नेचुरल कलर) का उपयोग करना वांछनीय है तथा निविदा के साथ पेपर का नमूना भी संलग्न करें।
5) मुद्रण कार्यादेश के दो माह के अन्दर पुस्तकें संस्थान के विक्रय विभाग में आपूर्ति करनी होगी तथा आपूर्ति हेतु व्यय का वहन मुद्रक द्वारा किया जाएगा।
6) कार्यादेश के एक माह के अन्दर बाईडिंग की हुई प्रत्येक पुस्तक की दो-दो डमी प्रतियॉ प्रकाशन खर्च के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करनी आवश्यक है। ताकि एन.बी.टी. द्वारा प्रकाशन खर्च का आकलन करवाया जा सके। डमी प्रतियाँ सुपाठ्य न होने पर मुद्रणादेश निरस्त भी किया जा सकता है।
7) एन.बी.टी. द्वारा आकलित या मुद्रक द्वारा प्रस्तुत प्रकाशन खर्च में से जो राशि कम होगी उसका ही भुगतान नियमानुसार टैक्स कटौती के बाद किया जाएगा।
8) पुस्तकों की बाइंडिंग परफैक्ट सिलाई सहित होगी।

प्राकृत पुस्तकों का विवरण निम्नानुसार होगा।

क्र.	पुस्तक नाम	पृष्ठ	पृष्ठ-आकार (इंच में) (जिसमें मुद्रण किया जाना है)	प्रतियाँ	बाईडिंग
1	भगवदी आराहणा	650	9.2" x 6.2"	500	हार्डबाईडिंग
2	गणिविज्जा सुत्तं	150	8.8" x 5.5"	500	हार्डबाईडिंग
3	पउमचरियं	600	9.2" x 6.2"	500	हार्डबाईडिंग

4	गाहारयणकोसो	250	8.8" **x** 5.5"	500	हार्डबाईडिंग
5	दंसणकहरयणकरंडु	550	9.2" **x** 6.2"	500	हार्डबाईडिंग
6	मागधी प्राकृत की विशेषताएँ	600	9.2" **x** 6.2"	500	हार्डबाईडिंग
7	मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख एवं मागधी प्राकृत-संस्कृत-हिन्दी कोश	600	9.2" **x** 6.2"	500	हार्डबाईडिंग
8	मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण एवं मागधी प्राकृत के सन्दर्भ	600	9.2" **x** 6.2"	500	हार्डबाईडिंग
	कुल अनुमानित पृष्ठ संख्या	4,000	कुलप्रतियाँ	4000	
	कुल अनुमानित पृष्ठ संख्या 4,000 **x** 500 = 20,00000				

9) पुस्तकों की गुणवत्ता मुद्रण, बाइडिंग, जिल्द कवर, साईज इत्यादि मापदण्डों के आधार पर निर्धारित होगी।

10) निविदा के साथ 10 हजार की बयाना राशि (Earnest Money Deposit) के रूप में डी.डी. या अकाउंट पेई चैक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के नाम भेजना होगा। (बयाना राशि जमा न करने पर निविदा निरस्त मानी जाएगी।)

11) सफल निविदाकारों को कार्यादेश की राशि का 10% गारंटी राशि के रूप में डी.डी. या अकाउण्ट पेई चैक देना होगा (बयाना राशि घटाकर)। जिसे अन्तिम बिल में जोड़कर भुगतान कर दिया जाएगा। यह राशि बैक गारण्टी के रूप में भी दी जा सकती है जिसकी बैधता छः माह होनी चाहिए।

12) असफल निविदाकारों की जमा की गयी राशि वापिस की जाएगी।

13) समय पर पुस्तकें आपूर्ति न करने पर 1% प्रति सप्ताह के हिसाब से बिल में कटौती की जाएगी।

14) निविदा के सन्दर्भ में कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जनकपुरी, नई दिल्ली का निर्णय अंतिम होगा।

15) निविदा मूल्य प्रत्येक ग्रन्थ के प्रति पृष्ठ के अनुसार दिया जाए और इस प्रति पृष्ठ मूल्य में (स्कैनिंग, छपाई, बाईडिंग, सिलाई, पैकिंग, कवर, संस्थान तक आपूर्ति तथा अन्य) समस्त लागत समाहित होगी।

कुलसचिव (प्र.)